SAMPLE CONTENT

PERFECT

हिंदी लोकवाणी

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism

कक्षा
दसवीं

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४ द्वारा
निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित

PERFECT

हिंदी लोकवाणी

दसवीं कक्षा

विशेषताएँ

- बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप व अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- प्रत्येक पाठ का परिच्छेद व पद्यांश में विभाजन
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु व्याकरण का प्रत्येक गद्य व पद्य में समावेश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु स्वतंत्र भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग
- लेखन कौशल विकास हेतु उपयोजित लेखन का स्वतंत्र विभाग
- विद्यार्थियों के संपूर्ण अभ्यास हेतु नमूना कृतिपत्रिका व मार्च २०२३ की बोर्ड कृतिपत्रिका का समावेश
- बोर्ड परीक्षाओं (मार्च २०१९, २०२०, २०२२, दिसंबर २०२०) में पूछी गई महत्त्वपूर्ण कृतियों का उत्तर सहित समावेश
- नमूना कृतिपत्रिका व मार्च २०२३ की बोर्ड कृतिपत्रिका की उत्तरपत्रिका Q. R. Code के माध्यम से उपलब्ध

Sample Content

Printed at: **Print to Print,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2582** P.O. No.7166

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो!

हम सहृदय दसवीं कक्षा में आपका अभिनंदन करते हैं। शैक्षणिक यात्रा के इस पड़ाव पर मानसिक चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यवहार जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस कदम से ज्ञान के रूप में विविधता आने के साथ ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास निश्चित है। कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **Perfect हिंदी लोकवाणी: दसवीं कक्षा** मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका इस पाठ्यक्रम को सरल, सुगम एवं रुचिकर बनाने के साथ ही विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच सेतु का कार्य करेगी।

विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता प्रबल करने अर्थात श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन में उन्हें दक्ष बनाने के साथ ही उनकी कल्पनात्मक व वैचारिक शक्ति को और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। पुस्तिका की विविध विशेषताओं की विवेचना आगे के पृष्ठ पर विस्तारित रूप से की गई है। हमें आशा और विश्वास है कि यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: चौथा

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकवाणी; प्रथमावृत्ति: चौथा पुनर्मुद्रण - २०२२' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

विशेषताएँ

कृतिपत्रिका प्रारूप

कृतिपत्रिका प्रारूप का सविस्तार वर्णन यहाँ किया गया है।

लोकवाणी कुल अंक विभाजन

लोकवाणी के कुल अंकों के विभाजन का सविस्तार वर्णन यहाँ किया गया है।

शब्दार्थ / मुहावरे / कहावतें

पाठ में आए कठिन शब्दों के सरल हिंदी व अंग्रेजी अर्थ दिए गए हैं। इसके साथ ही पाठ में प्रयुक्त कहावतें व मुहावरे अर्थ सहित दिए गए हैं।

भावार्थ / सरल अर्थ

कविताओं को सरलता से समझने के लिए उनके सरल अर्थ दिए गए हैं।

पाठ का परिच्छेद / पद्यांश में विभाजन

नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार प्रत्येक पाठ का परिच्छेद / पद्यांश में विभाजन किया गया है।

पाठ पर आधारित कृतियाँ

संपूर्ण पाठ पर आधारित कृतियों को इस विशेष विभाग में समाहित किया गया है।

भाषिक कौशल

पाठ्यपुस्तक में दी गई श्रवणीय, संभाषणीय, पठनीय, लेखनीय आदि कृतियों को आवश्यकतानुसार उत्तर सहित इस विशेष विभाग में शामिल किया गया है।

बोर्ड कृतिपत्रिकाओं की कृतियाँ

बोर्ड परीक्षाओं (मार्च २०१९, २०२०, २०२२, दिसंबर २०२०) में पूछी गई महत्त्वपूर्ण कृतियों का उत्तर सहित समावेश किया गया है।

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

इस विभाग में शब्द-भेद, काल, संधि, वाक्य-भेद आदि आवश्यक घटकों का उदाहरण व स्वाध्याय सहित विस्तारित वर्णन किया गया है।

रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार पत्र-लेखन, कहानी-लेखन, गद्य-आकलन, विज्ञापन-लेखन व निबंध-लेखन की अधिकाधिक नमूना कृतियों के साथ ही स्वाध्याय भी इस विशेष विभाग में दिए गए हैं।

नमूना व बोर्ड कृतिपत्रिकाएँ

बोर्ड परीक्षा की पूर्ण तैयारी हेतु यहाँ एक नमूना कृतिपत्रिका व मार्च २०२३ की बोर्ड कृतिपत्रिका दी गई है। इनकी उत्तरपत्रिकाएँ **Q. R. Code** के माध्यम से दी गई हैं।

पाठ पर आधारित व्याकरण

प्रत्येक पाठ में व्याकरण के विभिन्न घटकों का अभ्यास इस विभाग में समाहित किया गया है।

Sample Content

दसवीं कक्षा – हिंदी लोकवाणी

कृतिपत्रिका का प्रारूप

समय : २ घंटे **कुल अंक: ४० अंक**

विभाग १ – गद्य **१२ अंक**

प्र.१ (अ) पठित गद्यांश (१०० से १२० शब्द) **६ अंक**

प्र.१ (आ) पठित गद्यांश (१०० से १२० शब्द) **६ अंक**

१. आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) २ अंक

२. शब्दसंपदा (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) २ अंक

(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)

३. अभिव्यक्ति (२५ से ३० शब्दों में) २ अंक

विभाग २ – पद्य **८ अंक**

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।

प्र.२ (अ) पठित पद्यांश (६ से ८ पंक्तियाँ) **४ अंक**

प्र.२ (आ) पठित पद्यांश (६ से ८ पंक्तियाँ) **४ अंक**

१. आकलन कृति (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक **अथवा** ४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) २ अंक

२. सरल अर्थ (२५ से ३० शब्दों में) २ अंक

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) **८ अंक**

प्र.३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लेखन (२ घटक, १/२ अंक) १ अंक

२. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक के लिए १ अंक) १ अंक

३. संधि (पहचानना, संधि विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक

४. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक के लिए १ अंक) १ अंक

५. काल के भेद २ अंक

i. काल पहचानना (१ घटक के लिए १ अंक)

ii. काल परिवर्तन दो में से एक वाक्य का (१ घटक के लिए १ अंक)

६. वाक्य के भेद २ अंक

i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (१ घटक के लिए १ अंक)

ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (१ घटक के लिए १ अंक)

Sample Content

विभाग ४ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) **१२ अंक**

प्र.४ सूचना के अनुसार लिखिए:

(अ) १. पत्र-लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक) (दो में से एक) (विकल्प अंक: ४) ४ अंक

२. कहानी-लेखन (मुद्दों के आधार पर) (६० से ७० शब्दों में) (विकल्प अंक: ८) ४ अंक

अथवा

गद्य-आकलन (अपठित गद्यांश पर आधारित ४ प्रश्न तैयार करना) (गद्यांश ६० से ८० शब्दों का)

अथवा

विज्ञापन-लेखन (५० से ६० शब्दों में)

प्र.४ (आ) निबंध-लेखन (दो में से किसी एक विषय पर ६० से ७० शब्दों में) (विकल्प अंक: ४) ४ अंक

लोकवाणी अंक विभाजन

लिखित परीक्षा –४० अंक			
विभाग	**घटक**	**अंक**	**विकल्प अंक**
१	गद्य	१२	
२	पद्य	८	
३	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	८	०२
४	उपयोजित लेखन	१२	१६
	कुल अंक	४०	१८

अंतर्गत मूल्यमापन – १० अंक

- अ – स्वाध्याय – ५ अंक
- ब – मौखिक परीक्षा – ५ अंक

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]

Sample Content

विषय - सूची

क्र.	पाठ का नाम	रचनाकार	पृष्ठ
	पहली इकाई		
१.	सोंधी सुगंध	डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'	१
२.	खोया हुआ आदमी	सुशांत सुप्रिय	६
३.	सफर का साथी और सिरदर्द	रामनारायण उपाध्याय	१८
४.	जिन ढूँढ़ा	संत कबीर	३०
५.	अनोखे राष्ट्रपति	महादेवी वर्मा	३७
६.	ऐसा भी होता है (पठनार्थ)	अभिषेक जैन	४८
७.	दो लघुकथाएँ	संतोष सुपेकर	५३
८.	कर्मवीर	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	६०
	दूसरी इकाई		
१.	मातृभूमि	मैथिलीशरण गुप्त	६५
२.	कलाकार	राजेंद्र यादव	७१
३.	मुकदमा	गोविंद शर्मा	८०
४.	दो गजलें	राजेश रेड्डी	९०
५.	चार हाथ चाँदना (पठनार्थ)	अमृता प्रीतम	९६
६.	अति सोहत स्याम जू	रसखान	१०४
७.	प्रकृति संवाद	रामदरश मिश्र	१०९
८.	ऐसा वसंत कब आएगा?	जगन्नाथ प्रसाद 'मिलिंद'	११९

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	
१.	शब्द-भेद (Parts of Speech)	१२५
२.	काल (Tense)	१३०
३.	संधि (Combination)	१३२
४.	वाक्य-भेद (Types of sentences)	१३६
५.	लिंग (Gender)	१३८
६.	वचन (Number)	१३९
७.	शुद्धाक्षरी लेखन	१४०
८.	कारक (Case)	१४१
९.	विरामचिह्न (Punctuations)	१४३
१०.	उपसर्ग-प्रत्यय (Prefix-Suffix)	१४५
११.	मानक वर्तनी	१४७
१२.	मानक गिनती	१४८
	उपयोजित लेखन	
१.	पत्र-लेखन	१४९
२.	कहानी-लेखन	१६३
३.	गद्य-आकलन	१६८
४.	विज्ञापन-लेखन	१७१
५.	निबंध-लेखन	१७५
•	नमूना कृतिपत्रिका (Q. R. Code के माध्यम से उत्तरपत्रिका)	१८४
•	बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2023 (Q. R. Code के माध्यम से उत्तरपत्रिका)	१८८

निर्देश: पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

नमूना कृतिपत्रिकाओं का अभ्यास कर बोर्ड परीक्षा की तैयारी आसानी से कीजिए। **"Std. 10th Sanskrit Anand (Composite) & Hindi Lokvani Question Paper Set"** के बारे में अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

नमूना कृतिपत्रिकाओं का अभ्यास कर बोर्ड परीक्षा की तैयारी आसानी से कीजिए। **"SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions"** के बारे में अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

बोर्ड परीक्षा के करीब पहुँचकर क्या पूरी पुस्तक का अभ्यास करना नामुमकिन लग रहा है?
चिंता की कोई बात नहीं, क्योंकि हमारे **"Important Question Bank (IQB)"** पुस्तक के माध्यम से आप बड़ी सरलता से महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

१ सोंधी सुगंध

-- डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'

परिचय

रचनाकार

कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' का जन्म १९४९ में उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हुआ। ये साहित्य की विविध विधाओं में लिखते रहे हैं। कई गीत, गजल, कविताएँ, दोहे एवं समीक्षाओं को इन्होंने कलमबद्ध किया है। बालगीत तथा बाल-कहानियों के लेखन में भी इनका सराहनीय योगदान है।

प्रमुख रचनाएँ

फिर भी कहना शेष रह गया, नदी उफान भरे (गीत-संग्रह), गीत खुशी के गाओ तुम (बालगीत-संग्रह) आदि।

पद्य

प्रस्तुत पद्य गीत विधा में लिखा गया है। यहाँ कवि ने वर्षा ऋतु के दौरान प्रकृति के विविध अंगों, जैसे कि पेड़-पौधे, नदी-तालाब आदि में होने वाले परिवर्तनों का सजीव व मनोहारी चित्रण किया है। यहाँ कवि ने प्रकृति की सुंदरता को अपनी रचना से प्रस्तुत करने का सफल प्रयास किया है।

शब्द संसार

शब्दार्थ

आस	आशा (hope)
झोली	थैली (bag)
टोली	झुंड (group)
ठिठोली	मजाक (joke)
तरु	पेड़ (tree)
तलैया	तालाब (pond)
नत	झुका हुआ (bent)
पद	पैर, पाँव (leg)
पवन	हवा (air)
पावस	बरसात (rain)
पुष्प	फूल (flower)
मंसूबा	विचार, इरादा (plan)
मधुमास	वसंत ऋतु (spring)
मयूरा	मोर (peacock)
मस्तक	माथा (forehead)
माटी	मिट्टी (soil)
रोली	हल्दी-चूने का चूर्ण (mixture of turmeric and lime)
शृंगार	सजावट (decoration)
सदी	शताब्दी, सैकड़ा (century)
सुगंध	खुशबू (fragrance)
सोंधी	सुगंधित (the smell of dry earth after the first rain)

सरल अर्थ

१. **सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, ... धरती ने आँखें खोलीं।**

अर्थ: कवि ने यहाँ वर्षा ऋतु के समय प्रकृति में होने वाले बदलावों के बारे में बताया है कि पानी की बूँदें पड़ते ही प्यास से सूख चुकी मिट्टी से सोंधी-सोंधी-सी सुगंध आने लगती है। कवि कहता है कि यह सुगंध मिट्टी से कहती है कि बादल बरसने लगे हैं और अब धरती ने भी जैसे राहत की साँस लेते हुए अपनी आँखें खोल ली हैं।

२. **चारों ओर हुई हरियाली ..... माटी से बोली।।**

अर्थ: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध माटी से कहती है कि वर्षा के आने से मोर बहुत खुश है। वह अपने पंख फैलाकर खुशी में झूम रहा है। मोर भी यह कहता है कि सदियों अर्थात काफी समय से पूरी प्रकृति को वर्षा ऋतु का ही इंतजार था, जो अब खत्म हो गया है। वर्षा के आने से मोर ही अकेला नहीं, बल्कि सभी जीव-जंतु खुश हैं।

३. **बाग-बगीचे, ताल-तलैया ..... माटी से बोली।।**

अर्थ: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध मिट्टी से कहती है कि वर्षा के आने पर बाग-बगीचे, ताल-तलैया सभी मुस्कुरा रहे हैं। पेड़-पौधे खुशियाली में लहराते हुए मधुर गीत सुना रहे हैं। हवा ने भी जैसे अपनी झोली खोल दी है और वह भी खुशी में तेजी-से एक ओर से दूसरी ओर बह रही है।

४. **सागर का जो था ..... माटी से बोली।।**

अर्थ: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध मिट्टी से कहती है कि सागर का जो इरादा था, वह वर्षा के आने से पूरा हो गया है। वह भी अब पानी से भर गया है और बहुत प्रसन्न है। वह जैसे खुशियों की दुनिया में खो गया है। एक के बाद एक उठती-गिरती सुंदर व बड़ी लहरों से वह अपनी इस खुशी को दिखा रहा है। ऐसा लगता है कि धरती ने भी वर्षा

Sample Content

के आने की खुशी में अपना शृंगार कर हरियाली व लालिमा से युक्त एक अलग व मनमोहक रूप धारण कर लिया है।

५. पावस का मधुमास ..... माटी से बोली।।

अर्थ: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध माटी से कहती है कि गर्मी के भीषण प्रकोप से परेशान जीवों का विश्वास डगमगाने लगता है, ऐसी हालत में पावस का मधुमास अर्थात बरसात का राहतभरा मौसम आने से एक बार फिर जीवों में जीवन के प्रति नई आशा बँध जाती है। प्रकृति में इस तरह की हँसी-ठिठोली अर्थात बदलाव तो होते ही रहते हैं, जिसे देखकर 'अचूक' (कवि) नतमस्तक होकर प्रकृति के चरणों में पुष्प चढ़ाता है।

पद्यांश – १

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १ पर दी गई पंक्तियाँ १ से १० तक
[सोंधी-सोंधी-सी सुगंध .....
..... माटी से बोली।।]

१ – आकलन कृतियाँ

१. कृति पूर्ण कीजिए: **[दिसंबर २०२०]**

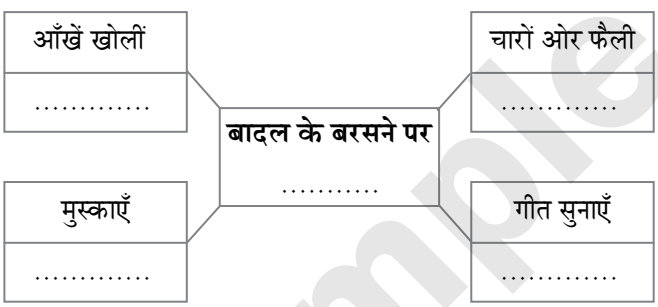

अथवा

संजाल पूर्ण कीजिए: **[मार्च २०२२]**

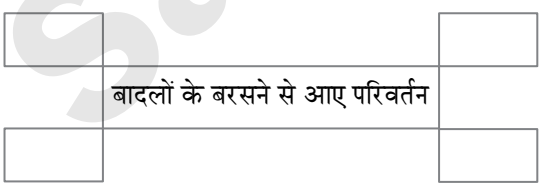

अथवा

***कृति पूर्ण कीजिए:**

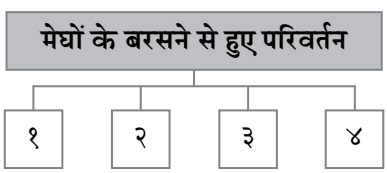

उत्तर: १. धरती २. हरियाली
३. बाग-बगीचे, ताल-तलैया ४. तरु

अथवा

१. धरती ने आँखें खोलीं
२. चारों ओर हरियाली फैली
३. बाग-बगीचे, ताल-तलैया मुस्काएँ
४. तरु मस्ती में झूम-झूमकर गीत सुनाएँ

निर्देश: इस कृति के उत्तर का एक अन्य विकल्प निम्नलिखित है:
मस्त पवन चलने लगी।

२. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

१. वर्षा के कारण मिट्टी से उठने वाली खुशबू कैसी है?
२. किसके बरसने पर धरती ने आँखें खोलीं?

उत्तर: १. सोंधी २. बादल

३. सही/गलत पहचानकर गलत वाक्यों को सही करके पुन: लिखिए:

१. माटी ने सुगंध से वर्षा के बारे में कहा।
२. चारों ओर हरियाली छा गई है।
३. वर्षा के आने पर सभी मुस्काने लगे।
४. मस्त पवन ने अब अपनी झोली बंद कर ली है।

उत्तर: १. गलत; सुगंध ने माटी से वर्षा के बारे में कहा।
२. सही
३. सही
४. गलत; मस्त पवन ने अब अपनी झोली खोली है।

२ – सरल अर्थ

१. पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए। **[मार्च २०२२]**

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध मिट्टी से कहती है कि वर्षा के आने पर बाग-बगीचे, ताल-तलैया सभी मुस्कुरा रहे हैं। पेड़-पौधे खुशियाली में लहराते हुए मधुर गीत सुना रहे हैं। हवा ने भी जैसे अपनी झोली खोल दी है और वह भी खुशी में तेजी-से एक ओर से दूसरी ओर बह रही है।

पद्यांश – २

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १ पर दी गई पंक्तियाँ ११ से १८ तक
[सागर का जो था मंसूबा .....
..... माटी से बोली।।]

Sample Content

१ – आकलन कृतियाँ

१. संजाल पूर्ण कीजिए:

उत्तर: १. सागर २. धरती
३. माटी ४. पावस

२. आकृति पूर्ण कीजिए:

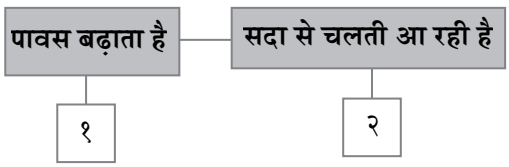

उत्तर: १. आस-विश्वास २. हँसी-ठिठोली

३. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों:

१. सागर २. धरती

उत्तर: १. किसका मंसूबा सफल हो गया?
२. किसने शृंगार किया?

४. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

क्र.	अ		ब
१.	सागर	अ.	मधुमास
२.	सोंधी	ब.	पुष्प
३.	पावस	क.	मंसूबा
४.	पद	ड.	सुगंध

उत्तर: (१ - क), (२ - ड), (३ - अ), (४ - ब)।

२ – सरल अर्थ

१. प्रस्तुत पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध मिट्टी से कहती है कि सागर का जो इरादा था, वह वर्षा के आने से पूरा हो गया है। वह भी अब पानी से भर गया है और बहुत प्रसन्न है। वह जैसे खुशियों की दुनिया में खो गया है। एक के बाद एक उठती-गिरती सुंदर व बड़ी लहरों से वह अपनी इस खुशी को दिखा रहा है। ऐसा लगता है कि धरती ने भी वर्षा के आने की खुशी में अपना शृंगार कर हरियाली व लालिमा से युक्त एक अलग व मनमोहक रूप धारण कर लिया है।

पाठ पर आधारित कृतियाँ

सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

***१. कृति पूर्ण कीजिए:**

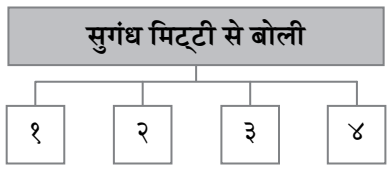

उत्तर: १. बादल के बरसने से धरती ने आँखें खोल दीं।
२. हरियाली का सपना साकार हो गया।
३. सागर का इरादा पूरा हो गया।
४. धरती ने शृंगार किया।

निर्देश: इस कृति के उत्तर के कुछ अन्य विकल्प निम्नलिखित हैं:
१. बाग-बगीचे, ताल-तलैया सभी मुस्कुराने लगे हैं।
२. पेड़ झूम-झूमकर मस्ती में गीत सुना रहे हैं।
३. मस्त पवन ने अपनी झोली खोल दी है।

***२. गीत में प्रयुक्त क्रियारूप लिखिए:**

१. बाग-बगीचे, ताल-तलैया _____
२. झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत _____
३. धरती ने शृंगार _____
४. मधुमास आस-विश्वास _____

उत्तर: १. मुस्काएँ (मुस्काना) २. सुनाएँ (सुनाना)
३. किया (करना) ४. बढ़ाता (बढ़ाना)

***३. उपसर्ग-प्रत्यय लगाकर शब्द लिखिए:**

१. _____ **गंध** _____
२. _____ **सफल** _____

उत्तर: १. सुगंध — **गंध** — गंधहीन

२. असफल — **सफल** — सफलता

४. एक यहाँ पर नहीं...तरु गीत सुनाएँ। उपर्युक्त पंक्तियों के सरल अर्थ लिखिए।

अथवा

उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का २५ से ३० शब्दों में सरल अर्थ लिखिए।

[दिसंबर २०२०]

उत्तर: प्रस्तुत पंक्तियों में सोंधी सुगंध माटी से यह कहती है कि वर्षा ऋतु के आने पर सभी खुश हैं। इस खुशी में कोई अकेला नहीं बल्कि सभी जीव-जंतुओं की पूरी टोली शामिल होगी।

Sample Content

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सभी वर्षा ऋतु के आने पर प्रसन्न हैं। सभी पेड़-पौधे झूम-झूमकर मस्ती में गीत गा रहे हैं।

***अभिव्यक्ति**

५. प्रस्तुत गीत की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: कवि ने यहाँ वर्षा ऋतु के समय प्रकृति में होने वाले बदलावों के बारे में बताया है कि वर्षा की बूँदें गर्मी से तपती धरती पर गिर रही हैं। पानी की बूँदें पड़ते ही प्यास से सूख चुकी मिट्टी से सोंधी-सोंधी-सी सुगंध आने लगती है। कवि कहता है कि यह सुगंध मिट्टी से कहती है कि बादल बरसने लगे हैं और अब धरती ने भी राहत की साँस लेते हुए अपनी आँखें खोल ली हैं। मोर भी वर्षा के आने पर खुश है। अपने पंख फैलाकर झूमता हुआ वह कह रहा है कि सदियों अर्थात काफी समय से जिसका इंतजार था, वह सपना आज पूरा हो गया।

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

***१. वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:** **(भाषा बिंदु)**

१. विश्वास/विशवास/विसवास **[मार्च २०२०]**
२. मसतक/मस्थक/मस्तक **[दिसंबर २०२०]**
३. पथ्थर/पथ्तर/पत्थर
४. कुरीति/कुरिति/कुरिती
५. चिन्ह/चीह्न/चिह्न **[मार्च २०२०]**
६. इकठठा/इकठ्टा/इकट्ठा
७. खुबसुरत/खूबसुरत/खूबसूरत **[दिसंबर २०२०]**
८. विद्यापीठ/विद्यापीठ/विद्यापिठ
९. बुद्धी/बुध्दी/बुद्धि
१०. परिक्षार्थि/परीक्षार्थि/परीक्षार्थी

उत्तर: १. विश्वास २. मस्तक
३. पत्थर ४. कुरीति
५. चिह्न ६. इकट्ठा
७. खूबसूरत ८. विद्यापीठ
९. बुद्धि १०. परीक्षार्थी

२. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:

१. बाप रे! २. तथा
३. के पीछे ४. सहसा

उत्तर: १. बाप रे! इतने पैसे कहाँ से आए?
२. श्याम तथा बलराम दोनों भ्राता गोकुल छोड़कर चले गए।
३. कार्यालय के पीछे एक श्मशान है।
४. सहसा रुचि राहुल का नाम पुकारने लगी।

३. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए और भेद लिखिए:

१. दंडकारण्य २. उद्धार
३. धर्मावतार ४. निर्विवाद

उत्तर: १. दंडक + अरण्य = स्वर संधि
२. उत् + धार = व्यंजन संधि
३. धर्म + अवतार = स्वर संधि
४. नि: + विवाद = विसर्ग संधि

४.

i. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के भेद पहचानकर लिखिए:

१. विश्व धीरे-धीरे आतंक की गिरफ्त में जा रहा है।
२. सच्चे मनुष्य में अहंकार का भाव नहीं होता है।
३. विजया घर में खाना बना रही थी।
४. कल हम सभी इस वक्त घर पहुँच चुके थे।

उत्तर: १. अपूर्ण वर्तमान काल
२. सामान्य वर्तमान काल
३. अपूर्ण भूत काल
४. पूर्ण भूत काल

ii. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

१. सोंधी सुगंध माटी से बोल रही है। (सामान्य भूत काल)
२. सदियों का सपना पूरा हो रहा है। (सामान्य भविष्य काल)
३. बाग-बगीचे मुस्कुराते हैं। (अपूर्ण भूत काल)
४. पावस सभी का विश्वास बढ़ाता है। (अपूर्ण वर्तमान काल)

उत्तर: १. सोंधी सुगंध माटी से बोली।
२. सदियों का सपना पूरा हो जाएगा।
३. बाग-बगीचे मुस्कुरा रहे थे।
४. पावस सभी का विश्वास बढ़ा रहा है।

५.

i. निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद लिखिए:

१. जो मेहनत नहीं करते, उन्हें सफलता नहीं मिलती।
२. अध्यापक ने कहा कि कल विद्यालय बंद रहेगा।
३. हर बार परिवर्तन जरूरी नहीं होता।
४. सीता चली गई और यशोदा घर पर ही थी।

उत्तर: १. मिश्र वाक्य २. मिश्र वाक्य
३. सरल वाक्य ४. संयुक्त वाक्य

Sample Content

ii. सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:

१. ओह! दिव्या मैं ठीक हूँ। (विधानार्थी वाक्य)

[दिसंबर २०२०]

२. तुमने गंदे कपड़े पहने हैं। (विस्मयादिबोधक वाक्य)

३. पिता जी स्वस्थ हैं। (इच्छार्थक वाक्य)

४. तुम्हारा विद्यालय यहाँ है। (प्रश्नार्थक वाक्य)

उत्तर: १. दिव्या मैं ठीक हूँ।

२. छि! तुमने गंदे कपड़े पहने हैं।

३. पिता जी स्वस्थ हो जाएँ।

४. तुम्हारा विद्यालय कहाँ है?

भाषिक कौशल

***उपयोजित लेखन**

निम्नलिखित सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए:
'स्वास्थ्य ही संपदा है।'

उत्तर:

सुजानगढ़ नामक एक नगर था। उस नगर में एक बहुत धनी साहूकार रहता था। उसका नाम धनपत सिंह था। धन के घमंड में वह मेहनत का महत्त्व भूल चुका था। वह हर चीज पैसे से खरीदना चाहता था। वह आलसी बन चुका था। मेहनत के नाम पर वह एक गिलास पानी भी खुद उठाकर नहीं पीता था। इसी कारण वह 'आलसी साहूकार' के नाम से भी जाना जाने लगा। कुछ समय बीता। धीरे-धीरे उसका शरीर बिना मेहनत के कमजोर पड़ने लगा। उसे कई रोगों ने घेर लिया। कहते हैं कि मेहनत करने से शरीर स्वस्थ रहता है, लेकिन यह बात साहूकार की समझ से दूर थी।

बिगड़ते स्वास्थ्य से साहूकार परेशान था। उसने आस-पास के बड़े-बड़े वैद्यों को बुलाया; उन्हें मुँहमाँगा पैसा दिया, लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला। अंत में वह निराश हो गया। उसे यकीन हो गया कि इन पैसों से वह अपना स्वास्थ्य नहीं खरीद सकता है। उसका घमंड चकनाचूर हो गया।

एक दिन उस नगर में एक साधु आया। उसे साहूकार की बीमारी के बारे में पता चला। उसने तुरंत ही साहूकार के एक सेवक से जाकर मुलाकात की और उससे कहा, "मैं साहूकार की बीमारी ठीक कर सकता हूँ, लेकिन उसे मुझसे मिलने कल सुबह मेरी कुटिया तक पैदल आना होगा।"

सेवक की बात सुनकर साहूकार किसी तरह पैदल गाँव से बाहर साधु की कुटिया में पहुँचा। साधु को देखकर साहूकार खुश हो गया। उसने कहा, "बाबा मेरी बीमारी को दूर करने की कृपा करें।" साधु मुस्कुराया और बोला, "जरूर दूर कर दूँगा, कल तुम इसी समय फिर पैदल मेरी कुटिया में आना।" अगले दिन फिर साहूकार साधु की कुटिया में पहुँचा। साधु ने पुन: उसे अगले दिन आने के लिए कहा। धीरे-धीरे पंद्रह दिन बीत गए।

अब साहूकार पहले की अपेक्षा ठीक से चलने-फिरने लगा था। वह रोज इसी उम्मीद में साधु की कुटी तक जाता कि उसे दवा मिलेगी और रोज साधु उसे अगले दिन आने के लिए कहकर टाल देता। एक दिन साहूकार ने गुस्से में साधु से कहा, "यदि आपको मेरा इलाज नहीं करना है, तो साफ-साफ मना कर दीजिए। आप क्यों इस तरह मुझे परेशान कर रहे हैं?" साधु मुस्काया, उसने कहा, "बेटा मैं तुम्हारा इलाज ही तो कर रहा हूँ।" साहूकार यह सुनकर चकित रह गया। साधु ने फिर कहा, "याद है तुम्हें, पहली बार तुम कितनी मुश्किल से गिरते-पड़ते पैदल मेरी कुटिया तक पहुँचे थे और आज तुम आसानी से चल-फिर सकते हो। यह मेरे इलाज का ही असर है।" साहूकार की समझ में सब कुछ आ गया था। वह साधु के पैरों में गिर पड़ा। उसने साधु से अपने व्यवहार के लिए क्षमा माँगी। साहूकार को यह समझ में आ गया कि दुनिया की किसी भी संपदा को स्वस्थ शरीर के सहारे प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन पूरी संपत्ति खर्च करने के बाद भी स्वास्थ्य नहीं प्राप्त किया सकता है, क्योंकि स्वास्थ्य ही सच्ची संपदा है।

सीख: स्वास्थ्य से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है और आलस्य स्वास्थ्य का दुश्मन है।

Sample Content

AVAILABLE NOTES FOR STD. X:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

PERFECT SERIES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

PRECISE SERIES
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)
- History, Political Science and Geography

PRECISE SERIES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

WORKBOOK
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती

Additional Titles: (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)
- Grammar & Writing Skills Books (Std. X)
  • Marathi • Hindi • English
- Hindi Grammar Worksheets
- SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions
- आमोद:(सम्पूर्ण-संस्कृतम्) SSC 11 Activity Sheets With Solutions
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्) SSC 12 Activity Sheets With Solutions
- IQB (Important Question Bank)
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book
- A Collection of Board Questions With Solutions

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY